लखनऊ में नवाबों की पाँच ऐतहािसकि इमारतें बनेंगी हेरटिेज होटल

चर्चा में क्यों?

21 फरवरी, 2023 को उत्तर प्रदेश पुरातत्त्व वभिाग की नदिशक डॉ. रेणु द्वविदी ने बताया कि प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पर्यटन को बढ़ावा देने के लयि शहर की पाँच ऐतहािसकि इमारतों को हेरटिेज होटलों में बदलने के प्रस्ताव को शासन ने मंज़ूरी दे दी है।

प्रमुख बदिु

- नदिशक डॉ. रेणु द्वविदी ने बताया कि प्रस्ताव मंज़ूर होने के बाद पर्यटन वभिाग ने इन्हें असंरक्षति श्रेणी में डालते हुए यहाँ हेरटिज होटल वकिसति करने का नोटसि चस्पा कर दयिा है। इन इमारतों को डी नोटफिाई कर दयिा जाएगा और इनके हेरटिेज होटल बनने की राह में आने वाली बाधाओं को दूर कर दयिा जाएगा।
- माना जा रहा है कि इन इमारतों को होटल का लुक देने से न सरि्फ पर्यटन को बढ़ावा मलिेगा बल्कि पर्यटन वभिाग की आय में भी इज़ाफा होगा। राजस्थान में इसी तरह से तमाम ऐतहािसकि इमारतों को होटलों में बदलने का बड़ा फायदा हुआ है। तेजी से पर्यटक इनके प्रतआिकर्षति हो रहे हैं।
- नदिशक डॉ. रेणु द्वविदी ने बताया कि फलिहाल लखनऊ की छतर मंजलि, रोशन-उद्दौला कोठी, कोठी गुलसि्ताने-इरम, कोठी दर्शन वलिास और फरहद बख्स को हेरटिेज होटल में तब्दील करने की तैयारी है।
- उन्होंने बताया कि इन इमारतों को असंरक्षति कयि जाने के मामले में यदि किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह वभिाग में आपत्ति दर्ज करा सकता है और केवल उन्हीं आपत्तयिों पर वचिार कयिा जाएगा जो इस अधसिूचना के नरिस्त होने के एक माह के भीतर आएंगी।
- डॉ. रेणु द्ववदिी ने बताया कि अन्य राज्यों में इमारतों को होटलों में बदलने के इस मॉडल ने वरिासत को बचाने में काफी मदद की है और उन्हें आत्मनरि्भर बनाया है। इससे इन स्मारकों को जीर्ण-शीर्ण होने से बचाने में भी मदद मलिेगी।
- इन ऐतहािसकि इमारतों का व्यावसायकि उपयोग के लयि परवि्रतन करने से इनके संरक्षण में काफी मदद मलिेगी। राज्य एएसआई यह सुनश्चिति करेगा कि इमारत का नवीनीकरण और पुनर्नरि्माण वरिासत को प्रभावति कयि बनिा कयिा जाए।
- पर्यटन एवं संस्कृतविभिाग के प्रमुख सचवि मुकेश मेश्राम ने बताया कि अन्य राज्यों की तर्ज पर इन भवनों को हेरटिेज होटलों में बदलने से इनके संरक्षण में मदद मलिेगी। साथ ही इससे राज्य की राजधानी में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने में मदद मलिेगी।
- **छतर मंजलि भवन -** इस भवन का नरि्माण नवाब सआदत अली खाँ ने 1798-1814 के बीच अपनी माता छतर कुँअर के नाम पर करवाया था। इसके बाद बादशाह गाजीउद्दीन हैदर के 1827-1837 के शासनकाल में इस भवन को सँवारा गया। छतर मंजलि का भवन इंडो-इटालयिन स्थापत्य कला से बना है। इसके भूतल की दीवारों से गोमती का पानी टकराता था, जसिसे भवन में बराबर ठंडक बनी रहती थी। इस भवन का उपयोग अवध की बेगमों के नवािस के लयि कयिा जाता था। यह भी माना जाता है कि सहािसनारोहण के समय जब नवाब ने छत्र धारण कयिा तब उसने इस महल के ऊपर भी छत्र लगवाया था। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में छतर मंजलि का प्रयोग क्रांतकिारयिों ने कयिा।
- **गुलसि्तान-ए-इरम -** इसका नरि्माण 19वीं शताब्दी की शुरुआत में अवध के दूसरे नवाब नसीरुद्दीन हैदर ने करवाया था। यह नसीरुद्दीन का नजिी पुस्तकालय था। ब्रटिशि काल में यह सरकार का फार्म हाउस बन गया। 1857 में स्वतंत्रता संग्राम के बाद अंग्रेजों ने कैसरबाग को ध्वस्त करने का आदेश दयिा था, क्योंकि यह नवाबों का गढ़ था। इसी आदेश के तहत गुलसि्तान-ए-इरम को भी ध्वस्त कर दयिा गया।
- **कोठी दर्शन वलिास -** कोठी दर्शन वलिास के जसि भवन में अब स्वास्थ्य नदिशालय स्थति है, वह कभी एक महल था। इसका नरि्माण नवाब गाजीउद्दीन हैदर के शासनकाल में शुरू हुआ।
- **रोशन-उद्-दौला -** अवध के नवाब नसीरुद्दीन हैदर (1827-1837) के शासनकाल के दौरान उनके प्रधानमंत्री रोशन-उद्-दौला ने इसका नरि्माण कराया। इसे जल्द ही नवाब वाजदि अली शाह ने ले लयिा। इसके वास्तु में ब्रटिशि और मुगल कला दोनों के संकेत मलिते हैं।
- **फरहत बख्श कोठी -** इस कोठी का मूल नाम मार्टनि वलिा था। इसका नरि्माण मेजर जनरल क्लाउड मार्टनि ने सन् 1781 में करवाया था। यह इंडो-फ्रेंच वास्तुकला का अद्भुत नमूना है। यह उनका नवािस स्थान हुआ करता था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/five-historical-buildings-of-nawabs-to-be-built-as-heritage-hotels-in-lucknow